

(4)

- (iv) छत्र इधर-उधर घूमते हैं।
(v) मैं सवेरे सैर के लिए जाता हूँ।
(vi) आज वर्षा होगी।
(vii) गुरु को नमस्कार।
(viii) सीता राम के साथ जाती है।
(ix) राम ने रावण को मारा।
(x) बाग में फूल खिलते हैं।
(xi) मुझे फल अच्छे लगते हैं।
(xii) कुत्ता शेर से डरता है।
(xiii) कक्षा में छात्र शोर करते हैं।

8×1=8

(ख) निम्नलिखित एक विषय पर संस्कृत में पत्र लिखिए -

- (i) अवकाशाय प्राचार्य महोदयाय प्रार्थनापत्रम्।
(ii) शुल्क क्षमापनार्थम् प्राचार्याय प्रार्थनापत्रम्।

7

Roll No.

Printed Pages : 4

288

BAM / A-15

SANSKRIT (Elective)

Time allowed : 3 hours

[Maximum marks : 80]

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित छः प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए -

- (i) परीक्षारम्भः कदा इति ज्ञातं किम् ?
(ii) चित्रं कथं आसीत् ?
(iii) किम् समाचारपत्रम् पठितम् ?
(iv) गृहकार्यं सर्वं समाप्तं किम् ?
(v) अद्य कः पाकः ?
(vi) किम् भवत्याः शाटिका नूतना ?
(vii) कार्यालयस्य कदा अवकाशः ?
(viii) अद्य ज्वरः कथम् अस्ति ?
(ix) प्रवेशपत्रं स्वीकृतं किम् ?

6×1=6

2. निम्नलिखित प्रत्येक भाग से किन्हीं दो श्लोकों का सरलार्थ कीजिए -

- (क) (i) स च सर्वगुणोपेतः कौशल्यानन्दवर्धनः।
समुद्र इव गाम्भीर्ये धैर्येण हिमवानिव ॥
(ii) तेन मायाविना दूरमपवाह्य नृपात्मजौ।
जहार भार्या रामस्य गृध्रं हत्वा जटायुषम् ॥
(iii) तत्र लङ्कां समासाद्य पुरीं रावणपालिताम्।
ददर्श सीतां ध्यायन्तीमशोकवनिकां गताम् ॥

2×4=8

288 - 4,300

288 - 4,300

888

P.T.O.

(2)

- (ख) (i) अन्तवन्त इमे देहा नित्यस्योक्ताः शरीरिणः।
अनाशिनोऽप्रमेयस्य तस्माद् युष्यस्व भारता।।
- (ii) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।
- (iii) प्रजहाति यदा कामान् सर्वान्पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।। $2 \times 4 = 8$
- (ग) (i) स्थितः स्थितामुच्यतितः प्रयातां निषेदधीमासनबन्धधीरः।
जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां श्रुपतिरन्वगच्छत्।।
- (ii) अलं महीपाल तव श्रमेण
प्रयुक्तमप्यस्त्रामितो वृथा स्यात्।।
न पादपोन्मूलनशक्तिः रंहः
शिलोच्चये मूर्च्छति मारुतस्य।।
- (iii) भवत्या गुरौ मय्यनुकम्पया च
पीतास्मि ते पुत्र वरं वृणीष्व।
न केवलानां पयसां प्रसूति-
मवेहि मां कामदुशां प्रसन्नाम्।। $2 \times 4 = 8$
3. (क) निम्नलिखित में से चार का विश्रह करके समस का नाम बताइये -
उपकृष्णम्, पीताम्बरम्, राम लक्ष्मणौ, जितेन्द्रियः, यथाशक्ति,
चक्रपाणिः। $4 \times 2 = 8$
- (ख) निम्नलिखित चार का वाक्य परिवर्तन कीजिए -
(i) रामः पुस्तकं पठति।
(ii) त्वं किम् करोषि ?

288

(3)

- (iii) तेन कुत्र गम्यते ?
(iv) लतया गीतं गीयते।
(v) तेन हस्यते।
(vi) अहं फलं खादामि। $4 \times 1 = 4$
- (ग) निम्नलिखित पौंच के कृदन्त रूप लिखिए -
कृ + क्त्वा, आ + धा + ल्यप्, पठ् + तुमुन्, नी + क्त, भू + क्तवतु,
गम् + शतृ, सेव् + शानच्, गम् + तव्यत्। $5 \times 1 = 5$
- (घ) निम्नलिखित पौंच के तद्धितान्त रूप लिखिए -
शक्ति + मतुप्, दण्ड + इनि, धर्म + टक्, विवेक + इनि,
अस्ति + टक्, गुरु + त्व, पटु + ता, पर्वत + छ। $5 \times 1 = 5$
- (ङ) निम्नलिखित किन्हीं पौंच के लट् लकार, प्रथम पुरुष, एक वचन में
भिजन्त अथवा सन्तन्त रूप लिखें -
भू + णिच्, पठ् + सन्, पा + सन्, दा + णिच्, हन् + णिच्,
शु + सन्, स्था + णिच्। $5 \times 1 = 5$
4. निम्नलिखित किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए -
हलन्त्यम्, हलौऽनन्तरा संयोगः, तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्, तस्य लोपः। $2 \times 4 = 8$
5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं आठ वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद
कीजिए -
(i) मैं घर जाता हूँ।
(ii) आजकल तुम कहाँ रहते हो ?
(iii) यह मेरी पुस्तक है।

288

P.T.O.